MPI-E302 द्वितीय पत्र- धर्मदर्शन

समयः 3.00 घण्टे

पूर्णांकः 70+30 = 100

प्रथम इकाई – धर्म एवं धर्म दर्शन– परिभाषा, स्वरूप एवं सम्बन्ध। धार्मिक बहुलवाद,– धार्मिक व्यवहार, अन्तर्धार्मिक संवाद, धर्म परिवर्तन, शुद्धि एवं घर वापसी। धर्म, दर्शन एवं विज्ञान, धर्म एवं सम्प्रदायवाद।

द्वितीय इकाई – धर्म की उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, ईश्वर के विचार का मूल स्रोत, एकेश्वरवाद एवं अनेकेश्वरवाद, ऋषि–महर्षि, तीर्थांकर एवं पैगम्बर की अवधारणा, भारतीय दर्शन में ईश्वर की अवधारणा।

तृतीय इकाई – धार्मिक अनुभूति और धार्मिक चेतना, धर्म मे आस्था एवं विवेक की भूमिका, ईश्वर के अस्तित्त्व में तर्क, ईश्वर सत्ता के विरोध में तर्क। अवतारवाद– पक्ष एवं विपक्ष।

चतुर्थ इकाई – साक्ष्य मीमांसा, आधारवाद, बौद्धिक विश्वास,ईश्वर की व्यापकता, ईश्वर और पारमार्थिकता, ईश्वर एवं परम तत्व–तटस्थ ईश्वरवाद, ईश्वरवाद, सर्वेश्वरवाद, निमित्तोपादानेश्वरवाद ।

पंचम इकाई – ईश्वर ,मनुष्य एवं जगत्–स्वरूप एवं सम्बन्ध (वैदिक एवं सेमेटिक दृष्टिकोण) नास्तिकता, धर्म/पंथ–निरपेक्षता, धार्मिक उग्रवाद एवं सहिष्णुता, सार्वभौम धर्म की अवधारणा

Paper – II : PHILOSOPHY OF RELIGION

UNIT – I Religion and Philosophy of Religion– Definition, Nature and Relation. Religious Pluralism,– Religious Behavior, Interreligious Dialogue, Change to religion, Shuddi and Return to Home. Religion, Philosophy and Science, Religion and Communalism.

UNIT – II Main Theories of the origin of religion, Origin of the idea of God, Monotheism and Polytheism ,Concept of Rishi-Maharishi,

Teerthankar and Paigamber, Concept of God in Indian Philosophy.

UNIT – III Religious experience and religious consciousness, The Role of Faith and Reason in Religion, Arguments for the existence of God. Arguments against the existence of God, Avatarvada – Positive or Negative.

UNIT – IV Evidentialism, Foundationalism, Rational belief, Imminence of God, Transcendence of God, God and the Absolute Reality- Deism,Theism, Pantheism, Panentheism.

UNIT – V God, Man and the World- Nature and Relation (Vaidic and Semitic Point of View), Atheism, Secularism, Religious Radicalism and Tolerance, Concept of Universal Religion.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1. धर्मशास्त्र का इतिहास – पी0वी0काणे
2. धर्म दर्शन की मूल समस्याएं – डॉ0 वी0पी0वर्मा
3. मनुस्मृति – भाष्यकार डॉ0 सुरेन्द्र कुमार
4. तुलनात्मक धर्म दर्शन – प्रो0 श्रीप्रकाश दुबे, डॉ0 अविनाश श्रीवास्तव
5. धर्म का उद्भव और विकास – डब्ल्यू हॉपकिन्स
6. सामान्य धर्म दर्शन एवं दार्शनिक विश्लेषण – डॉ0 याकूब मसीह